04-02-2019

प्रेस विज्ञप्ति

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के जैव रसायन विभाग ने 2 और 3 फरवरी 2019 को इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के तत्वावधान में दो दिवसीय सेंट्रल जोन नेशनल कॉन्फ्रेंस ''IABSCON-2019'' का आयोजन किया। इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज का गठन मूल रूप से किया गया था जिसमे एक मंच पर बेसिक वैज्ञानिकों और चिकित्सकों (Basic Scientists and Clinicians) को एक साथ लाएं ताकि प्रयोगशालाओं में जो भी शोध हो रहा है उसका अनुवाद अस्पताल में रोगी की देखभाल के लिए किया जा सके। विभाग द्वारा एक सूचनात्मक कार्यक्रम वैज्ञानिक समिति द्वारा तैयार किया गया था जिसमें विशेषज्ञों द्वारा उत्कृष्ट इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए थे। दो दिवसीय सम्मेलन में देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में चिकित्सकों और बेसिक वैज्ञानिकों ने भाग लिया। सम्मेलन के प्रतिभागियों ने सीखने और निरंतर शिक्षा के अवसरों का अनुभव किया, जैसा कि सम्मेलन के विषय में ''हाल ही में ट्रेंड्स इन बायोमेडिकल रिसर्चः एडवांस एंड चौलेंज'' में दर्शाया गया था। सम्मेलन में 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया और 100 से अधिक पेपर और पोस्टर शोध विद्वान एवं पीजी छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए।

सम्मेलन का उद्घाटन किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के सेल्बी हॉल में माननीय न्यायमूर्ति श्री शबीहुल हसनैन द्वारा किया गया। जिसमे प्रो0 एम.एल.बी. भट्ट, माननीय कुलपति, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय एवं एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो अब्बास अली महदी उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे, प्रो0 मोइनुद्दीन, सचिव सेंट्रल जोन IABS तथा बायोकेमस्ट्री के विभागाध्यक्ष, जे0एन0 मेडिकल कॉलेज, ए0एम0यू, अलीगढ़, डॉ0 दिलुत्पल शर्मा, प्रमुख, जैव रसायन विभाग, केजीएमयू, लखनऊ, और डॉ0 फरजाना महदी, निदेशक –शिक्षाविद, एरा विश्वविद्यालय, लखनऊ समारोह में उपस्थित रहे तथा केजीएमयू में जैव रसायन विभाग से डॉ0 एम कलीम अहमद सम्मेलन के आयोजन सचिव थे।

माननीय श्री न्यायमूर्ति शबीहुल हसन, जो इस अवसर के मुख्य अतिथि थे, ने IABSCON-2019 की स्मारिका (Souvenir) का विमोचन किया। इसके अलावा, IABS की फैलोशिप किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के माननीय कुलपति प्रो0 एम0 एल0 बी0 भट्ट को प्रदान की गई, न्यूरोसाइंसेज के लिए श्रीमती आबिदा महदी अवार्ड एम्स, नई दिल्ली की डा0 कुंजग चोसडल को प्रदान किया गया। एक युवा वैज्ञानिक के लिए ओम प्रकाश शर्मा पुरस्कार जिन्होंने बायोमेडिकल रिसर्च में उत्कृष्ट योगदान दिया है, जिसे CSIR-IITR के डा0 रजनीश चर्तुवेदी को वर्ष 2016 के लिय एवं आईआईटी, जोधपुर से डॉ0 अमित मिश्रा को वर्ष 2017 के लिये दिया गया।

कुछ प्रमुख वक्ताओं में एम्स नई दिल्ली से डॉ0 रीमा दादा और डॉ0 सविता यादव एवं एम्स, जोधपुर से डॉ0 कमला कांत शुक्ला शामिल थे, जिन्होंने कीटनाशकों और अन्य रसायनों के अंधाधुंध उपयोग के कारण भारत में पुरुष नपुंसकता के बढ़ते प्रसार पर बात की, न केवल शुक्राणुओं की संख्या, बल्कि इसकी गुणवत्ता में भी कमी आती है। डॉ0 रीमा दादा ने स्वस्थ जीवन में योग और ध्यान के वैज्ञानिक महत्व को समझाया और डीएनए नुकसान और टेलोमेरिक लंबाई के नुकसान को रोककर शुक्राणु की गुणवत्ता और संख्या में सुधार करने में अपनी भूमिका को विस्तार से बताया।

आईआईटी कानपुर से डॉ0 बुशरा अतीक ने प्रोस्टेट कैंसर पर अपने शोध को प्रस्तुत किया और रोग के लिए माइक्रो आर एन ए आधारित नए निदान और रोगनिरोधी बायोमार्कर की भूमिका को समझाया, उन्होने यह भी कहा कि वह प्रोस्टेट कैंसर के लिए नए बायोमार्कर उपकरण के लिए एम्स, नई दिल्ली और केजीएमयू, लखनऊ के साथ मिलकर काम कर रही है।

आईआईटी मंडी के डॉ0 अमित प्रसाद ने अपनी बात में बताया कि कैसे परजीवी टीनिया सोलियम, मानव प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को कमजोर करता है जिससे विकासशील दुनिया में मिर्गी होती है।

आईआईटी जोधपुर के डॉ0 अमित मिश्रा ने न्यूरोडीजेनेरेटिव बीमारियों को रोकने में एंजाइम ई 3 यूबिकिटिन लिगेज की लाभकारी भूमिका पर बात की।

एम्स, नई दिल्ली से प्रा0 एस.एस. चौहान ने कहा कि रक्त कैंसर के रोगियों में एंजाइम कैथेप्सिन का स्तर अधिक होता है और इसके निषेध का उपयोग कीमोथेरेप्यूटिक एजेंट के रूप में किया जा सकता है।

एम्स नई दिल्ली की प्रो अल्पना शर्मा ने मूत्राशय के कैंसर के लिए उपन्यास निदान मार्कर पर अपने विचार प्रस्तुत किये।

एम्स, पटना से प्रो0 साधना शर्मना ने कैंसर के लिए इम्यूनोथेरेपी में नवीनतम घटनाओं पर विस्तार से बात की।

एम्स, नई दिल्ली से प्रो0 कुंजग चोसडोल ने जीन एफएटी 1 पर अपना व्याख्यान दिया, जिसे ग्लियोब्लास्टोमा के लिए रोगनिरोधी या चिकित्सीय मार्कर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।

केजीएमयू लखनऊ के प्रो0 एन0 एस0 वर्मा ने डायबिटीज और डिसिप्लिडिमिया के प्रबंधन में ओमेगा 3 फैटी एसिड के लाभकारी प्रभाव पर बात की।

IABSCON-2019 का समापन 03.02.19 को समापन समारोह के साथ हुआ, जिसे मुख्य अतिथि प्रो0 आर0के0 गर्ग, डीन – शोध और प्रमुख, न्यूरोलॉजी विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित किया गया। समारोह की शुरुआत वैज्ञानिक समिति की अध्यक्ष डॉ0 शिवानी पांडेय के स्वागत भाषण से हुई। एरा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 अब्बास अली महदी ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों के निरंतर अद्यतन के लिए इस प्रकार का सम्मेलन आयोजित करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस परिमाण के सम्मेलन के आयोजन के लिए आयोजन सचिव डॉ0 मो0 कलीम अहमद को बहुत बधाई दी और आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन से युवा चिकित्सकों और शोधकर्ताओं को लाभ होगा।

सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर पुरस्कार प्राप्त करने वाले उम्मीदवार केजीएमयू के डॉ0 उजमा, ए0एम0य0ू के डॉ0 अब्दुल्ला, अलीगढ़ के डॉ0 रोशन कुमार, ग्वालियर के डॉ0 रोशन कुमार थे। सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों में केजीएमयू से तान्या त्रिपाठी, एरा विश्वविद्यालय से प्रिया दीक्षित, इंटीग्रल यूनिवर्सिटी से डॉ0 यासिर खान, एएमयू, अलीगढ़ से मो0 तल्हा, एसजीटी मेडिकल कॉलेज, गुड़गांव से प्रिया यादव, केजीएमयू, लखनऊ से दिव्या यादव शामिल थीं, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद से ऋतंभरा और कानपुर के रामा मेडिकल कॉलेज से दीपक भी शामिल थे।

प्रो0 आर.के. गर्ग, प्रमुख, न्यूरोलॉजी विभाग, किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय, लखनऊ, ने मुख्य रूप से श्रोताओं को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि अधिक से अधिक चिकित्सकों को इस प्रकार के सम्मेलनों में भाग लेना चाहिए। उन्होंने इस परिमाण के सम्मेलन के आयोजन के लिए डॉ0 मो0 कलीम अहमद को बधाई दी और आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन से युवा शोधकर्ताओं को लाभ होगा।

डॉ0 रंजना सिंह, बायोकैमिस्ट्री, केजीएमयू, लखनऊ में एसोसिएट प्रोफेसर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ ।